R.N.I. No. RAJHIN/2020/79075

कागज़ की कश्ती

पाक्षिक समाचार पत्र

मो. 9829250181
ई-मेल : shiv.ksg@gmail.com

सम्पादक : शिवकुमार शर्मा

वर्ष - 6 | अंक - 23 | रविवार, 7 जून 2026 | कुल पृष्ठ - 4 | (पाक्षिक) | मूल्य रु. 360/- (वार्षिक)

भारत-वेनेजुएला में ऊर्जा, महत्वपूर्ण खनिज और व्यापार क्षेत्र में सहयोग बढ़ाने पर चर्चा

नई दिल्ली। भारत और वेनेजुएला ने विशेष रूप से ऊर्जा और उसके साथ-साथ, महत्वपूर्ण खनिज, व्यापार, निवेश, फार्मास्यूटिकल, स्वास्थ्य सेवा तथा ऑटोमोबाइल जैसे क्षेत्रों में सहयोग बढ़ाने पर सहमति व्यक्त करते हुए द्विपक्षीय साझेदारी को और अधिक मजबूत बनाने की प्रतिबद्धता दोहराई है। मोदी ने भारत यात्रा पर आई वेनेजुएला की कार्यवाहक राष्ट्रपति डेल्सी रोड्रिगेज के साथ द्विपक्षीय वार्ता के दौरान द्विपक्षीय संबंधों के सभी पहलुओं की समीक्षा की। उन्होंने वैश्विक और क्षेत्रीय मुद्दों पर चर्चा के साथ-साथ विकासशील देशों के हितों को बढ़ावा देने पर बात की।

पश्चिम एशिया संकट के कारण दुनिया भर में ऊर्जा आपूर्ति की अनिश्चित स्थिति के बीच हुई इस वार्ता को महत्वपूर्ण माना जा रहा है। पांच दिन की यात्रा पर आई रोड्रिगेज के साथ विदेश, आर्थिक और विज्ञान एवं प्रौद्योगिकी जैसे विभागों के मंत्रियों का एक उच्च स्तरीय प्रतिनिधिमंडल भी आया हुआ है।

सीबीएसई के पोस्ट-रिजल्ट पोर्टल पर साइबर हमला

अजमेर। केंद्रीय माध्यमिक शिक्षा बोर्ड ने पोस्ट-रिजल्ट सर्विस पोर्टल पर हुए सुनियोजित साइबर हमलों को लेकर दिल्ली पुलिस की इंटेलिजेंस फ्यूजन एंड स्ट्रेटेजिक ऑपरेशंस (आईएफएसओ) यूनिट में औपचारिक शिकायत दर्ज कराई है। बोर्ड ने स्पष्ट किया है कि साइबर सुरक्षा विशेषज्ञों की 24 घंटे निगरानी और त्वरित कार्रवाई के कारण सभी हमलों को सफलतापूर्वक रोका गया है तथा डेटा में कोई सेंध या अनधिकृत एक्सेस नहीं हुआ है। बोर्ड सचिव की ओर से अधिकृत वेसाबइट पर जारी प्रेस रिलीज में कहा गया है कि हाल ही में शुरू किए गए पोस्ट-रिजल्ट सर्विसेज पोर्टल पर बीते तीन दिनों में बार-बार साइबर हमले हुए हैं। यह पोर्टल देशभर के लाखों विद्यार्थियों को उत्तर पुस्तिकाओं के सत्यापन, अंक पुनर्गणना और पुनर्मूल्यांकन जैसी सेवाएं उपलब्ध कराने के लिए 2 जून 2026 को शुरू किया गया था। बोर्ड के अनुसार इन हमलों में देश के अंदर और बाहर के कई आईपी एड्रेस से बड़ी मात्रा में हानिकारण ट्रैफिक भेजा गया है। हमलावरों का मकसद इस प्लेटफॉर्म को अस्थिर करना, असली यूजर्स को एक्सेस से रोकना और राष्ट्रीय हित के खिलाफ काम करने वाले तत्वों की ओर से अनाधिकृत रूप से जानकारी निकालने की कोशिश करना लग रहा था। इसी कारण बोर्ड ने मामले की विस्तृत जांच और दोषियों के खिलाफ कानूनी कार्रवाई सुनिश्चित करने के लिए दिल्ली पुलिस की आईएफएसओ यूनिट से संपर्क किया है।

मानसून पहुंचा केरलम्, गर्मी से राहत शीघ्र

चेन्नई। दक्षिण-पश्चिम मानसून ने केरल में दस्तक दी, जिससे पश्चिमी घाट और तमिलनाडु के सीमावर्ती जिलों में भारी बारिश होने तथा भीषण गर्मी के प्रकोप से राहत मिलने के आसार हैं। आमतौर पर दक्षिण-पश्चिम मानसून एक जून को केरल में दस्तक देता है। इस बार मानसून अपनी सामान्य तिथि से तीन दिन की देरी से केरल पहुंचा है। मौसम कार्यालय ने आने वाले दिनों में केरल से सटे कुछ सीमावर्ती जिलों और डेल्टा क्षेत्रों में भारी बारिश का अनुमान जताया है। चेन्नई और उससे सटे उत्तरी जिलों में कल छिटपुट भारी बारिश के साथ मध्यम बारिश होने के आसार हैं। मौसम विभाग ने इसकी औपचारिक घोषणा करते हुए बताया कि दक्षिण-पश्चिम मानसून दक्षिण-पश्चिम और दक्षिण-पूर्व अरब सागर के शेष हिस्सों, मध्य-पश्चिम और मध्य-पूर्व अरब सागर के कुछ हिस्सों, पूरे लक्षद्वीप द्वीप समूह, केरल और माहे में आगे बढ़ गया है। इसके साथ ही मानसून आज कर्नाटक और तमिलनाडु के कुछ हिस्सों, कोमोरिन क्षेत्र के शेष हिस्सों, बंगाल की खाड़ी के दक्षिण-पूर्व और दक्षिण-पश्चिम, मध्य-पश्चिम, मध्य-पूर्व एवं उत्तर-पूर्व बंगाल की खाड़ी के कुछ और हिस्सों में भी आगे बढ़ चुका है। विभाग के अनुसार, अगले दो-तीन दिनों के दौरान मध्य अरब सागर के कुछ और हिस्सों, पूरे गोवा, महाराष्ट्र और आंध्र प्रदेश के कुछ हिस्सों, कर्नाटक के कुछ और हिस्सों, तमिलनाडु के शेष हिस्सों, दक्षिण-पश्चिम बंगाल की खाड़ी, मध्य-पश्चिम, मध्य-पूर्व और उत्तर-पूर्व बंगाल की खाड़ी के कुछ और हिस्सों तथा पूर्वोत्तर राज्यों के कुछ हिस्सों में दक्षिण-पश्चिम मानसून के आगे बढ़ने के लिए परिस्थितियां बिल्कुल अनुकूल हैं। अगले सात दिनों के पूर्वानुमान के अनुसार केरलम् और उससे सटे राज्यों के कुछ जिलों में भारी बारिश होने का अनुमान है, जिसके लिए मौसम विभाग ने 'ऑरेंज अलर्ट' जारी किया है।

अमेरिका में युद्ध शक्ति प्रस्ताव को प्रतिनिधि सभा की मंजूरी

वाशिंगटन। रिपब्लिकन के नेतृत्व वाले अमेरिकी प्रतिनिधि सभा ने राष्ट्रपति डोनाल्ड ट्रंप को ईरान में आगे कोई भी सैन्य कार्रवाई करने से रोकने के लिए एक प्रस्ताव वॉर पावर्स रेजोल्यूशन (युद्ध शक्ति प्रस्ताव) को मंजूरी दे दी है। यह प्रस्ताव 215-208 मतों से पारित हुआ है। यह प्रस्ताव तब सफल हुआ जब चार रिपब्लिकन सदस्यों ने डेमोक्रेट्स के साथ मिलकर इस युद्ध के प्रति अपनी असहमति जताई। यह प्रस्ताव ट्रंप को ईरान से अमेरिकी सैनिकों को वापस बुलाने के निर्देश देता है, जब तक कि कांग्रेस युद्ध की घोषणा न कर दे या सैन्य बल के इस्तेमाल को अधिकृत न कर दे। सदन के जिन चार रिपब्लिकन सदस्यों ने युद्ध शक्तियों वाले प्रस्ताव के पक्ष में वोट दिया, उनमें मिशिगन के प्रतिनिधि टॉम बैरेट, ओहियो के वॉरेन डेविडसन, पेंसिल्वेनिया के ब्रायन फिट्ज़पैट्रिक और केंटकी के थॉमस मैसी शामिल थे। उन्होंने चेतावनी दी कि ट्रंप बिना किसी साफ रणनीति के देश को एक लंबे संघर्ष में घसीट सकते हैं। साथ ही उन्होंने 28 फरवरी को ईरान पर अमेरिका और इज़रायल के संयुक्त हवाई हमलों की शुरुआत के बाद से गैसोलीन, खाने-पीने की चीज़ों और दूसरे उत्पादों की बढ़ती कीमतों पर भी चिंता जताई। इस प्रस्ताव का पारित होना इसलिए महत्वपूर्ण है क्योंकि यह व्हाइट हाउस पर ईरान युद्ध को समाप्त करने का दबाव बढ़ाता है।

समाचार पत्र की खबरों का स्रोत

समाचार पत्र के संवाददाता, PRO Ajmer, DIPR Jaipur, PIB Jaipur, दूरदर्शन भारत के माध्यम से तथा अन्य स्रोतों से समाचार पत्र की खबरों का प्रकाशन किया जाता है।

सम्पादक

राज्य के आठ शहरों में दौड़ेंगी 1150 ई-बसें

जयपुर। प्रदेश में स्वच्छ, हरित और टिकाऊ सार्वजनिक परिवहन व्यवस्था को मजबूत करने की दिशा में प्रधानमंत्री ई-बस सेवा योजना तेजी से आगे बढ़ रही है। योजना के तहत राजस्थान के आठ शहरों में 1150 इलेक्ट्रिक बसों का संचालन किया जाएगा। इस संबंध में सचिवालय में मुख्य सचिव वी. श्रीनिवास की अध्यक्षता में राज्य स्तरीय संचालन समिति की दूसरी बैठक हुई, जिसमें योजना की प्रगति और विभिन्न व्यवस्थाओं की समीक्षा की गई।

बैठक में इलेक्ट्रिक बसों के संचालन के लिए आवश्यक डिपो अवसंरचना, चार्जिंग स्टेशन, विद्युत आपूर्ति व्यवस्था तथा विभिन्न विभागों के बीच समन्वय से जुड़े विषयों पर विस्तृत चर्चा हुई। समीक्षा के दौरान बस डिपो के नवीनीकरण एवं उन्नयन, वित्तीय स्वीकृतियों और केन्द्र सरकार से मिलने वाली सहायता पर भी विचार-विमर्श किया गया। अधिकारियों ने बताया कि कई शहरों में बसों का ट्रायल पूरा हो चुका है तथा चार्जिंग स्टेशन और अन्य आवश्यक सुविधाओं का विकास तेजी से किया जा रहा है। यूडीएच के एसीएस आलोक गुप्ता ने कहा कि प्रदेश में इलेक्ट्रिक बसों के विस्तार के लिए लगातार प्रयास किए जा रहे हैं। स्वायत्त शासन विभाग के शासन सचिव रवि जैन ने योजना के प्रभावी क्रियान्वयन के लिए विभागीय प्रतिबद्धता दोहराई।

सड़कों के निर्माण में पारदर्शिता-गुणवत्ता हो सुनिश्चित-सीएम भजनलाल

जयपुर। मुख्यमंत्री भजनलाल शर्मा ने सड़कों का निर्माण पारदर्शिता और गुणवत्ता के साथ करने के स्पष्ट निर्देश दिए है। उन्होंने कहा कि सड़क निर्माण की निरंतर जांच की जाए एवं निम्नस्तरीय सड़क पर अधिकारी-अभियंता की जिम्मेदारी तय करते हुए उनके विरूद्ध सख्त कार्रवाई की जाए। मुख्यमंत्री ने कहा कि सरकारी धन का दुरुपयोग और अपव्यय किसी भी स्तर पर बर्दाश्त नहीं किया जाएगा। सीएम गुरुवार को सीएमआर पर पीडब्ल्यूडी की बैठक की अध्यक्षता कर रहे थे। उन्होंने भारतीय राष्ट्रीय राजमार्ग प्राधिकरण एवं सार्वजनिक निर्माण विभाग के अधिकारियों को निर्देश दिए कि निर्माण कार्यों में उच्च गुणवत्ता के मापदण्डों को ध्यान में रखते हुए आपसी समन्वय से तय समयसीमा में पूरा किया जाए। उन्होंने प्रस्तावित ग्रीन फील्ड एक्सप्रेस-वे की विस्तृत समीक्षा की। मुख्यमंत्री ने जालौर-झालावाड़, श्रीगंगानगर-कोटपूतली, अजमेर-बांसवाड़ा के मध्य बेहतर कनेक्टिविटी के संबंध में चर्चा करते हुए दिशा-निर्देश दिए। साथ ही उन्होंने जयपुर शहर की यातायात व्यवस्था को सुदृढ़ बनाने के लिए रिंग रोड के उत्तरी हिस्से की योजना पर भी चर्चा की। 18 हजार किलोमीटर से अधिक सड़क विकास बैठक में अधिकारियों ने मुख्यमंत्री को प्रगतिरत कार्यों के बारे में अवगत कराते हुए बताया कि वर्तमान सरकार के 2 वर्ष 5 माह के कार्यकाल में अब तक 33 हजार 195 करोड़ का व्यय कर 48 हजार 748 किमी लम्बाई में सड़कों का विकास कार्य पूर्ण किया गया है, जिसमें से 17 हजार 934 किमी लम्बाई की नवीन सड़कों का निर्माण कार्य किया गया है तथा 1 हजार 756 गांवों को सड़कों से जोड़ा गया है। 6 हजार 184 किमी लम्बाई में अन्य जिला सड़कों एवं ग्रामीण सड़कों का मुख्य जिला सड़कों में क्रमोन्नयन किया गया। गांव के सड़क तंत्र को सुदृढ़ किए जाने के लिए 378 किमी लम्बाई में कार्य कर 256 गांवों में अटल प्रगति पथों का निर्माण पूर्ण किया गया। पूर्ववर्ती सरकार में समान समयावधि के दौरान 13 हजार 400 करोड़ व्यय कर 30 हजार 641 किमी लम्बाई में सड़कों का निर्माण कार्य ही किया गया था। वहीं नवीन सड़कें भी केवल 4 हजार 671 किमी लम्बाई में निर्मित की गई थी। भरतपुर के विकास कार्यों को लेकर दिए निर्देश मुख्यमंत्री ने भरतपुर जिले में प्रगतिरत एवं प्रस्तावित विकास कार्यों को लेकर भी चर्चा की। उन्होंने जलभराव की समस्या के स्थायी समाधान, सड़कों के चौड़ाईकरण, खेल सुविधाओं के विकासए पार्कों के उन्नयन तथा ड्रेनेज व्यवस्था को सुदृढ़ करने के लिए प्रभावी कार्ययोजना के साथ कार्य करने के निर्देश दिए।

किशनगढ़ में नकली नोटों के बड़े गिरोह का पर्दाफाश, तीन आरोपी पकड़े

शिवकुमार शर्मा

कागज की कश्ती/किशनगढ़। किशनगढ़ शहर में चल रहे भारतीय मुद्रा के जाली नोटों के एक बड़े गिरोह का पदार्फाश किया है। पुलिस ने गिरोह के मुख्य सदस्यों को चिन्हित कर उनके कब्जे से उच्च क्वालिटी के नकली नोट जब्त किए हैं। इस मामले में पुलिस ने तीन आरोपियों को गिरफ्तार कर लिया है, जबकि दो अन्य संदिग्धों को डिटेन कर सघन पूछताछ की जा रही है। एएसपी अजेयसिंह आईपीएस ने बताया कि नकली नोटों की क्वालिटी इतनी शानदार है कि असली और नकली में आसानी से फर्क करना मुश्किल है। मदनगंज सीआई सुरेंद्र सिंह एवं डीएसटी इंचार्ज शंकर सिंह के नेतृत्व में कार्रवाई की गई। अजमेर पुलिस अधीक्षक हर्षवर्धन अगरवाला के निर्देशानुसार जिले में अपराधियों की धरपकड़ के लिए चलाए जा रहे अभियान के तहत यह सफलता मिली है। अतिरिक्त पुलिस अधीक्षक, ग्रामीण डॉ. लालचन्द कायल के निर्देशन और सहायक पुलिस अधीक्षक वृत्त किशनगढ़ शहर अजेय सिंह, आईपीएस के नेतृत्व में मदनगंज थानाधिकारी सुरेन्द्र सिंह और पुलिस टीम ने इस कार्रवाई को अंजाम दिया। ?30 मई 2026 को मदनगंज थाने के हेड कांस्टेबल सावर लाल को मुखबिर से सूचना मिली कि सुमेर नगर मदनगंज निवासी नितेश (24) पुत्र हेतराम गुर्जर यहां 500-500 रुपए के जाली नोटों को बाजार में एक-एक कर खपा रहा है। पुलिस ने त्वरित कार्रवाई करते हुए घेराबंदी कर नितेश को दबोच लिया और उसके पास से 500 रुपए के तीन जाली नोट बरामद किए। आरोपी के खिलाफ कोतवाली थाने में भारतीय न्याय संहिता 2023 की धारा 178, 179 और 180 के तहत मुकदमा दर्ज किया गया है। गिरफ्तार आरोपी नितेश रावत से जब पुलिस ने गहनता से पूछताछ की, तो उसने गिरोह में शामिल अन्य लोगों के नामों का भी खुलासा किया। इसके आधार पर मदनगंज सीआई सुरेंद्र सिंह व डीएसटी इंचार्ज शंकर सिंह के नेतृत्व में पुलिस टीमों ने दबिश देकर दो अन्य संदिग्धों को सेवा दूदू, जयपुर ग्रामीण निवासी अजय मीना (21) पुत्र मांगीलाल मीना, कल्याणीपुरा, गुलाब बाड़ी अजमेर निवासी नवीन कोमल (26) पुत्र कैलाश कोमल रैगर को डिटेन कर पूछताछ की जा रही है। एएसपी सिंह ने बताया कि पुलिस पूछताछ में डिटेन किए गए आरोपी अजय मीना ने उगला कि वह यह जाली नोट दौसा निवासी कुलदीप गुर्जर उर्फ के.डी. से लेकर आया था। पुलिस के अनुसार, मुख्य आरोपी कुलदीप गुर्जर उर्फ के.डी. बेहद शातिर है और वह पहले से ही कोतवाली थाना दौसा में जाली नोट बनाने कूटरचना के एक अन्य मामले में वांछित चल रहा है। पुलिस की टीमें उसकी गिरफ्तारी के लिए अलग-अलग ठिकानों पर रवाना कर दी गई हैं।

एएसपी अजेयसिंह ने बताया कि पकड़े गए जाली नोटों की जांच में सामने आया कि गिरोह ने भारतीय रिजर्व बैंक द्वारा असली नोटों में दिए जाने वाले सभी प्रमुख सिक्योरिटी फीचर्स को हूबहू कॉपी किया है। नोटों की प्रिंटिंग और क्वालिटी इतनी बेहतरीन है कि आम नागरिक धोखा खा जाए। पुलिस अब इस बात का पता लगा रही है कि इन जाली नोटों को कहां और किन मशीनों के जरिए छापा जा रहा था और अब तक बाजार में कितने नकली नोट खपाए जा चुके हैं। इस बड़े नेटवर्क को ध्वस्त करने में मदनगंज थानाधिकारी सुरेन्द्र सिंह, एएसआई सतेन्द्र सिंह, हेड कांस्टेबल सावरलाल (विशेष योगदान), कांस्टेबल करतार, गिरधारी, रामराज सहित जिला स्पेशल टीम डीएसटी के इंचार्ज शंकर सिंह और उनकी टीम हेडकांस्टेबल रतन सिंह, महिपाल सिंह, कालू राम, कांस्टेबल जितेन्द्र, मुकेश टांडी, कालुराम गुर्जर, राजेश, गजेन्द्र, रामनिवास एवं ईश्वर शामिल रहे।

किशनगढ़ ASP अजेय सिंह राठौड़ को मिलेगा प्रतिष्ठित 'डीजीपी डिस्क' अवॉर्ड

किशनगढ़। राजस्थान पुलिस मुख्यालय जयपुर द्वारा प्रदेश में उत्कृष्ट सेवाएं देने वाले पुलिस अधिकारियों और कर्मचारियों के मनोबल को बढ़ाने के लिए एक बड़ा निर्णय लिया गया है। अपराध नियंत्रण, बेहतरीन प्रशासन, सुदृढ़ कानून-व्यवस्था और अचूक इंटेलिजेंस (सूचना तंत्र) के क्षेत्र में उत्कृष्ट कार्य करने के फलस्वरूप अजमेर जिले के किशनगढ़ शहर वृत्त के सहायक पुलिस अधीक्षक डॉ.अजेय सिंह राठौड़ को प्रतिष्ठित महानिदेशक पुलिस डिस्क एवं प्रशस्ति रोल प्रदान किया जाएगा। पुलिस मुख्यालय द्वारा जारी आधिकारिक आदेश (क्रमांक 557) के अनुसार, पुलिस विभाग में कार्यरत अधिकारियों के मनोबल में वृद्धि हेतु गठित उच्च स्तरीय चयन समिति की विशेष अनुशंसा पर पात्र अधिकारियों की सूची में राठौड़ का चयन किया गया है। एएसपी डॉ. अजेय सिंह राठौड़ ने किशनगढ़ वृत्त में अपनी तैनाती के दौरान न केवल जटिल और संवेदनशील मामलों का त्वरित पदार्फाश किया, बल्कि आमजन में विश्वास और अपराधियों में भय के ध्येय को धरातल पर सच कर दिखाया। उनके इस गौरवपूर्ण चयन पर अजमेर पुलिस बेड़े सहित क्षेत्र के गणमान्य नागरिकों में हर्ष की लहर है और उन्हें लगातार शुभकामनाएं मिल रही हैं।

मेगा हाइवे पर प्रशासन की बड़ी कार्रवाई, अवैध अतिक्रमण हटाए

मदनगंज-किशनगढ़। हनुमानगढ़ मेगा हाईवे किशनगढ़-मकराना मुख्य मार्ग पर प्रशासन ने अतिक्रमण के खिलाफ बड़ी कार्रवाई की। बुलडोजर और जेसीबी मशीनों की मदद से सड़क किनारे बने अवैध निमार्णों को हटाया गया। अचानक हुई इस कार्रवाई से क्षेत्र के व्यापारियों, ठेला संचालकों और अवैध कब्जाधारियों में हड़कंप मच गया। ये कार्रवाई प्रशासनिक अधिकारियों, नगर परिषद टीम और पुलिस बल की मौजूदगी में हुई। किशनगढ़-मकराना रोड स्थित मेगा हाईवे क्षेत्र में सड़क सीमा के भीतर बनाए गए अस्थायी केबिन, टीन-शेड, बड़े होर्डिंग बोर्ड और अन्य अवैध ढांचों को हटाया गया। कई स्थानों पर दुकानदारों ने स्वयं अपना सामान समेटना शुरू कर दिया, जबकि कुछ जगहों पर प्रशासन को सख्ती भी दिखानी पड़ी। कार्रवाई के दौरान सड़क के दोनों किनारों पर सालों से लगे अवैध होर्डिंग्स और विज्ञापन बोर्ड हटाए गए। अधिकारियों के अनुसार, इन अवैध कब्जों के कारण सड़क संकरी हो गई थी, जिससे आए दिन यातायात जाम और दुर्घटनाएं हो रही थीं। किशनगढ़-मकराना रोड शहर के प्रमुख और व्यस्त मार्गों में शामिल है, जहां दिनभर भारी वाहनों, बसों और स्थानीय यातायात की आवाजाही रहती है। स्थानीय लोगों ने बताया कि वे कई महीनों से प्रशासन को शिकायतें दे रहे थे, लेकिन कार्रवाई नहीं हो रही थी। बुधवार को अचानक शुरू हुए अभियान से लोगों को राहत की उम्मीद जगी है। वाहन चालकों का कहना है कि यदि सड़क स्थायी रूप से अतिक्रमण मुक्त रहती है, तो यातायात व्यवस्था में काफी सुधार होगा।

वंदे गंगा जल संरक्षण जन अभियान के तहत प्राचीन धरोहर मीरा बावड़ी की साफ-सफाई

मदनगंज-किशनगढ़। केन्द्र व राज्य सरकार के आदेशानुसार रविवार को वंदे गंगा जल संरक्षण जन अभियान के तहत मझेला रोड स्थित प्राचीन धरोहर मीरा बावड़ी की साफ-सफाई की गई। नगर परिषद आयुक्त जनार्दन शर्मा के निर्देश पर सफाई व श्रमदान कार्यक्रम के तहत गमलों में पौधे लगाए गए। पूर्व सभापति गुणमाला पाटनी ने मीरा बावड़ी का जल स्तर ऊंचा उठाने के लिए भूमिगत जल के प्राकृतिक सीर आदि को खोलने के लिए तल में पुरानी गाद, मिट्टी व कचरे को नियमित अंतराल पर सफाई करने, बावड़ी की ओर आने वाले बरसाती पानी के रास्ते, नाले साहित आस-पास के प्राकृतिक जल ग्रहण क्षेत्र को अतिक्रमण मुक्त रखने की आवश्यकता पर जोर दिया। क्षेत्रवासी सतीश पाराशर, जीतू सेन, अंकुश यादव, दिनेश सेन, भोलाराम चौधरी, बृजेश दाधीच, भाजपा महिला नेत्री शतविभा पाराशर व मेघराज साहू ने पूर्व सभापति पाटनी के कार्यकाल में हुए मीरा बावड़ी के जीर्णोद्धार कार्य की प्रशंसा करते हुए बावड़ी के निकट बहाले में एकत्रित कचरे को निकालने, मीरा सेतु (पुलिया) की टूटी दीवार की मरमत कर ऊंची करने की मांग की। जिस पर भाजपा नेता महेंद्र पाटनी सहित क्षेत्रवासियों को परिषद के सहायक अभियंता विष्णु अड़ानिया ने दीवार को दुरस्त कर शीघ्र कचरा निकलवाने का भरोसा दिलाया।

स्वामी व प्रकाशक शिवकुमार शर्मा के लिए मुद्रक गजेन्द्र के. बोहरा द्वारा नितिन प्रिन्टर्स, बंगाली गली, कचहरी रोड, अजमेर (राज.) से मुद्रित एवं कार्यालय नन्द निकुंज, जैन स्थानक गली, शिवाजी नगर, मदनगंज-किशनगढ़ (अजमेर) से प्रकाशित। सम्पादक : शिवकुमार शर्मा मो. 9829250181, ई-मेल : shiv.ksg@gmail.com

एक चरित्र को विकसित करने की प्रक्रिया में, आप वास्तव में, उसे एक व्यक्तित्व के रूप में लेना शुरू करते हैं।

-पॉल हैरिस

सम्पादकीय

रविवार, 7 जून 2026

पर्यावरणीय संकट से समाधान की ओर बढ़ने का समय

वाला विश्व पर्यावरण दिवस केवल एक औपचारिक आयोजन नहीं, बल्कि पृथ्वी और मानवता के भविष्य को बचाने का वैश्विक संकल्प है। वर्ष 2026 का विश्व पर्यावरण दिवस ऐसे समय में आया है जब जलवायु परिवर्तन, प्लास्टिक प्रदूषण, जैव विविधता का क्षरण, जल संकट, वायु प्रदूषण और प्राकृतिक संसाधनों के अंधाधुंध दोहन ने पृथ्वी के अस्तित्व को गंभीर चुनौती के सामने खड़ा कर दिया है। इस वर्ष की थीम प्लास्टिक प्रदूषण का अंत केवल प्लास्टिक के उपयोग को कम करने का आह्वान नहीं है, बल्कि उपभोगवादी

जीवनशैली और प्रकृति-विरोधी विकास मॉडल पर पुनर्विचार का भी संदेश है। आज पूरी दुनिया जलवायु परिवर्तन के दुष्प्रभावों को झेल रही है। कहीं भीषण गर्मी जीवन को असहनीय बना रही है, कहीं अनियंत्रित वर्षा और बाढ़ तबाही ला रही है, तो कहीं सूखा और जल संकट मानव अस्तित्व पर प्रश्नचिह्न खड़े कर रहे हैं। भारत भी इससे अछूता नहीं है। उत्तराखंड के जंगलों में आग, हिमालयी क्षेत्रों में ग्लेशियरों का तेजी से पिघलना, महानगरों में प्रदूषण, बेंगलुरु जैसे तकनीकी नगरों में जल संकट और लगातार बढ़ती गर्मी इस बात के संकेत हैं कि पर्यावरणीय संकट अब भविष्य की नहीं, वर्तमान की वास्तविकता बन चुका है। संयुक्त राष्ट्र की रिपोर्टें चेतावनी दे रही हैं कि पिछले एक दशक में जलवायु संबंधी आपदाओं से लाखों लोगों की मृत्यु हुई है और खरबों डॉलर की आर्थिक क्षति हुई है। जैव विविधता का ह्रास, जलवायु परिवर्तन और प्रदूषण-ये तीनों संकट परस्पर जुड़े हुए हैं। यदि वैश्विक तापमान वृद्धि को नियंत्रित नहीं किया गया तो मानव सभ्यता के सामने अभूतपूर्व संकट खड़ा हो सकता है। 2015 के पेरिस जलवायु समझौते में वैश्विक तापमान वृद्धि को 1.5 डिग्री सेल्सियस तक सीमित रखने का लक्ष्य निर्धारित किया गया था, लेकिन आज भी दुनिया उस दिशा में अपेक्षित गति से आगे नहीं बढ़ रही है। सबसे चिंताजनक बात यह है कि विश्व के सामने उपस्थित इस सबसे बड़े संकट को भारत की राजनीति में वह महत्व नहीं मिला, जिसका वह अधिकारी है। चुनावी घोषणापत्रों में पर्यावरण का उल्लेख तो होता है, लेकिन वह केवल औपचारिकता भर रह जाता है। राजनीतिक दल यह मानकर चलते हैं कि पर्यावरण, प्रदूषण और जलवायु परिवर्तन वोट दिलाने वाले मुद्दे नहीं हैं। परिणामस्वरूप पर्यावरणीय प्रश्न न तो चुनावी बहस का हिस्सा बनते हैं और न ही राजनीतिक प्रतिस्पर्धा का। जबकि सच्चाई यह है कि आने वाली पीढ़ियों का जीवन, स्वास्थ्य और सुरक्षा इसी प्रश्न पर निर्भर करती है। पर्यावरणीय संकट का मूल कारण विकास की वह अवधारणा है जिसमें प्रकृति को केवल संसाधन और उपभोग की वस्तु मान लिया गया है। हमने जंगलों को उद्योगों के लिए, नदियों को अपशिष्ट के लिए और भूमि को कंक्रीट के जंगलों में बदलने के लिए प्रयोग किया। प्रकृति हमें जीवन का आधार निःशुल्क देती है, लेकिन हमने उसके प्रति कृतज्ञता के बजाय दोहन का व्यवहार अपनाया। परिणामस्वरूप वनस्पतियों का विनाश, वन्य जीवों का संकट, भूमिगत जल का क्षय और प्रदूषण का विस्तार निरंतर बढ़ रहा है। भारतीय संस्कृति ने सदैव प्रकृति को पूजनीय माना है। वृक्षों, नदियों, पर्वतों और वनस्पतियों को केवल भौतिक संसाधन नहीं, बल्कि जीवनदाता के रूप में देखा गया। आयुर्वेद और वनौषधि विज्ञान इसका श्रेष्ठ उदाहरण हैं। जड़ी-बूटियों और वनस्पतियों ने हजारों वर्षों तक मानव स्वास्थ्य की रक्षा की, लेकिन आधुनिकता की अंधी दौड़ में यह ज्ञान और प्राकृतिक संपदा दोनों उपेक्षित होते गए। आज जब नई-नई बीमारियां मानव जीवन को चुनौती दे रही हैं, तब पुनः प्रकृति और वनस्पति जगत की ओर लौटने की आवश्यकता महसूस की जा रही है।

"एक पेड़ मां के नाम" प्रकृति से प्रेरित हो जलवायु बचाएं, भविष्य सुरक्षित करें के तहत पौधारोपण

मदनगंज-किशनगढ़। विश्व पर्यावरण दिवस के उपलक्ष्य में आर. के. पाटनी गर्ल्स कॉलेज में उन्नत भारत अभियान इकाई एवं प्राणीशास्त्र विभाग के द्वारा एवं एन.एस.एस., एन.सी. सी.,स्काउट एवं गाइड, इलेक्टोरल लिट्रेसी क्लब के संयुक्त तत्वावधान में एक पेड़ माँ के नाम, प्लांट 4 मदर कैंपेन के तहत पौधारोपण किया गया।

कॉलेज निदेशक एवं सचिव सुभाष अग्रवाल ने संदेश प्रेषित करते हुए कहा कि जलवायु परिवर्तन वर्तमान समय में सबसे बड़ा संकट है जिसका वैश्विक रूप से सबको मिलकर सामना करना है। इसको कम करने के लिए पौधारोपण कार्यक्रम सबसे महत्वपूर्ण और नेक कार्य है, ताकि वैश्विक उष्णता और जलवायु परिवर्तन कुछ हद तक कम हो सके। अगर एक पेड़ माँ के नाम लगाया जाए तो सभी लोग कम से कम उस पेड़ की तो अच्छे से देखभाल करेंगे और उसको फलते-फूलते देखकर पर्यावरण के प्रति अपने अमूल्य योगदान को देख सकेंगे। प्राचार्य डॉ. शैलेन्द्र पाटनी ने कहा कि इस प्रकार का आयोजन महाविद्यालय द्वारा प्रति वर्ष किया जाता है, जो उच्च शिक्षा संस्थानों के पर्यावरण प्रेम और उसके संरक्षण के प्रति सजगता को इंगित करता है। उन्नत भारत अभियान और महाविद्यालय की विभिन्न सामाजिक कार्य से संबंधित इकाइयां महाविद्यालय परिसर एवं उसकी गोद लिए गए गावों में पौधारोपण करती आयी है एवं ये कार्यक्रम उसकी कड़ी में एक पायदान और आगे बढ़ा है। उन्नत भारत अभियान के समन्वयक एवं प्राणीशास्त्र विभागाध्यक्ष डॉ. विश्वजीत जारोली ने बताया कि यु.जी.सी. के निदेर्शानुसार एवं 5 जून की महत्ता को देखते हुए भारत सरकार के पर्यावरण, वन एवं जलवायु परिवर्तन मंत्रालय के फ्लैगशिप कार्यक्रम एक पेड़ मां के नाम के तहत पूरे भारतवर्ष में 67.90 लाख पौधारोपण का लक्ष्य वर्ष 2026 के लिए रखा गया है। इसी कैंपेन के तहत महाविद्यालय परिसर में मौसमी पौधों को रोपा गया, साथ ही इन पौधों की मॉनिटरिंग के लिए दो संकाय सदस्यों एवं चार छात्राओं को निर्देशित किया गया। जो समय-समय पर इन पौधों के अस्तित्व और मेंटेनेंस की जांच करेंगे। मंत्रालय को इसकी रिपोर्ट 15 जून से पहले भेजी जाएगी।

जिला निर्वाचन अधिकारी (कलेक्टर) अजमेर के निदेर्शानुसार स्वीप कार्यक्रम के तहत लगाए गए एक पेड़ को लोकतंत्र का पेड़-2026 नाम दिया गया। इस कार्यक्रम के तहत महाविद्यालय परिसर में नीम, कचनार, मीठा नीम, मोरिंगा, दालमोठ इत्यादि के पौधे प्राणीशास्त्र विभाग की सहायक आचार्य डॉ. उदिची व्यास एवं सोनाली खीयानी के निर्देशन में निर्दिष्ट स्थानों पर लगाए गए। इस कैंपेन में महाविद्यालय की एन.एस.एस. इकाई प्रभारी डॉ. रुचि मिश्रा, एन.सी.सी. प्रभारी अंकिता पारीक, इलेक्टोरल लिटरेसी क्लब प्रभारी डॉ. राधा गुप्ता, स्काउट एवं गाइड प्रभारी सृष्टि के साथ इन इकाइयों से जुड़ी छात्राओं ने महत्वपूर्ण भागीदारी निभाई। कार्यक्रम के सफल आयोजन में लेखा अधिकारी राजेश जैन, प्रशासनिक अधिकारी अमित दाधीच, हाउसकीपिंग इंचार्ज अमित शर्मा, निंकु टांक, नेहा शर्मा, अजय एवं पूरी टीम का योगदान रहा। कार्यक्रम में महाविद्यालय के संकाय सदस्य उपस्थित रहे।

गर्मी में सिमटती जा रही गुंदोलाव झील

मदनगंज-किशनगढ़। भीषण गर्मी का असर साफ दिखाई देने लगा है। गुंदोलाव झील सहित । आसपास के तालाबों का पानी सूखता जा रहा है। तेज धूप, बढ़ते तापमान और गर्म हवाओं के चलते अब इनमें पानी की कमी सामान्य दिनों की तुलना में कहीं

अधिक तेजी से दर्ज की जा रही है। विशेषज्ञों के अनुसार प्रतिदिन करीब एक सेमी पानी कम हो रहा है। जल संसाधन विभाग के अधिकारियों के तेज गर्मी व शुष्क मौसम के कारण पानी केवल वाष्पीकरण के कारण खत्म हो रहा है। लगातार बढ़ते तापमान और लंबे समय से तीखी धूप ने जलाशय की सतह को अत्यधिक गर्म कर दिया है, जिससे पानी के वाष्पीकरण की गति कई गुना बढ़ गई है। अधिकारियों का कहना है कि यदि अगले कुछ दिनों तक तापमान इसी तरह बना रहा तो पानी की कमी और तेज हो सकती है। मौसम विशेषज्ञों के अनुसार इस बार ना केवल किशनगढ़ अपितु पूरे प्रदेश में अल नीनो के कारण सामान्य से अधिक तापमान दर्ज किया जा रहा है। दिन के साथ-साथ रात का तापमान भी बढ़ा हुआ है, जिससे जलाशयों में पानी के ठंडा होने की प्रक्रिया प्रभावित हो रही है। यही कारण है कि वाष्पीकरण की दर लगातार बढ़ रही है। विशेषज्ञों का मानना है कि यदि समय रहते मानसून सक्रिय नहीं हुआ और तापमान लगातार ऊंचा बना रहा तो आने वाले हफ्तों में जलस्तर पर और अधिक असर पड़ सकता है।

अपनी बेहाली पर खून के आंसू बहाता किशनगढ़ का ब्लड बैंक

शिवकुमार शर्मा

मदनगंज- किशनगढ़। जिस शहर को मार्बल की चमक और दानवीरों की ख्याति के लिए जाना जाता है, आज उसी धरती पर जिंदगी और मौत के बीच का फासला महज आखिरी यूनिट रक्त पर आकर टिक गया है। जो ब्लड बैंक कभी अजमेर और जयपुर तक जरूरत की पूर्ति में सक्षम था वहां एक यूनिट के लिए भी बाहर संपर्क करना पड़ रहा है। राजकीय यज्ञनारायण चिकित्सालय के आरके ब्लड बैंक के तीन बड़े फ्रीजर्स, जिनकी क्षमता 600 यूनिट रक्त सहेजने की है, आज सूने पड़े हैं। वहां उम्मीद की आखिरी सांसों की तरह महज 01 एबी नेगेटिव यूनिट रक्त बचा है, जबकि अस्पताल की देहरी पर हर रोज 10 से 15 जिंदगियां रक्त की आस में भटक रही हैं।

गर्मी में पानी की आखिरी बूंद बचने का जुमला तो सुना है मगर वर्तमान में ब्लड बैंक में भी यही स्थिति बनी हुई है। ब्लड बैंक अभी गिव एंड टेक की तर्ज पर चल रहा है। ऐसे में कई बार मरीज की ओर से रक्त देने वाला नहीं होता है तो मरीज के लिए भारी परेशानी खड़ी हो जाती है । विशेष कर हादसे में घायल को ब्लड चढ़ाने के लिए सबसे ज्यादा दिक्कत तब आती है जब 108 एंबुलेंस से उसे अकेले अस्पताल लाया जाता है और उसके साथ कोई अटेंडेंट नहीं होता है। ऐसे में बिना रक्त उसकी जिन्दगी बचाने के लिए संघर्ष करना पड़ता है। बहरहाल एक यूनिट रक्त को लेकर ब्लड बैंक दैनिक लेनदेन के आधार पर चल रहा है। युवाओं से उम्मीद की जाती है कि वे अधिक से अधिक रक्तदान कर रक्त की कमी को दर करें।

वाईएन अस्पताल के गायनिक वार्ड में इन दिनों किलकारियां तो गूंज रही हैं, लेकिन उनके पीछे छुपा दर्द गहरा है। अस्पताल में हर रोज 10 से 15 प्रसव हो रहे हैं। हर मां और नवजात की सलामती के लिए कम से कम 1 से 2 यूनिट रक्त की दरकार होती है। इसके अलावा हाइवे पर होने वाले हादसों के शिकार और गंभीर बीमारियों से जूझते मरीजों को मिलाकर रोजाना 10 से 15 यूनिट रक्त इस खजाने से बाहर जा रहा है। संकट यह है कि जाने का रास्ता तो चाल है, लेकिन आने का रास्ता बेहद तंग है। इन दिनों न तो कोई स्वैच्छिक रक्तदान शिविर लगा है और न ही लोग खुद से आगे आ रहे हैं।

रिप्लेसमेंट पर भारी

ब्लड बैंक में आज रक्त की कमी है। मगर जिन दिनों रक्त होता है तब रसूखदारों के कारण रिप्लेसमेंट नही हो पाता। नियम कहता है कि जब आप ब्लड बैंक से रक्त लें, तो बदले में किसी अपने का या खुद का रक्त रिप्लेसमेंट कर वहां जमा कराएं, ताकि यह चक्र चलता रहे। लेकिन इस जीवनदायिनी व्यवस्था को भी रसूखदारों के फोन और वीआईपी ट्रीटमेंट का घुन लग गया है। नतीजतन, ब्लड बैंक का खजाना खाली हो चुका है और अब इसका खामियाजा उस आम, बेबस मरीज को भुगतना पड़ रहा है जिसके पास न तो कोई बड़ा नाम है और न ही किसी नेता का फोन।

इस घोर संकट के बीच उम्मीद की एकमात्र एकमात्र किरण कुछ सामाजिक संगठन और युवा बने हुए हैं। जब ब्लड बैंक में सन्नाटा पसर जाता है, तब क्लब 100, भारत विकास परिषद और इमरजेंसी ब्लड ऐप के सेवाभावी नौजवान संकटमोचक बनकर उभरते हैं। इसके अलावा 100 क्लब के नीरज अग्रवाल, सुशील अजमेरा, अतुल अग्रवाल और विवेक टेलर जैसे युवा आधी रात को भी किसी न किसी रक्तवीर को थामे अस्पताल पहुंच जाते हैं। शुक्रवार को भी एक कैंसर के मरीज राधेश्याम को जरूरत होने पर रक्तदाता इकबाल देशवाली ने रक्त देकर अपना फर्ज निभाया। ये युवा व्यवस्था की कमियों को अपनी निष्ठा से ढंक तो

रहे हैं, लेकिन सवाल यही है कि आखिर कब तक संकट के भरोसे यह तंत्र चलेगा।

अपील

600 यूनिट की क्षमता वाले बैंक में मात्र एक यूनिट का बचना बेहद डरावना है। यह सीधे इंसानी जिंदगी से जुड़ा मामला है। मैं शहर के युवाओं और संस्थाओं से अपील करता हूं कि वे आगे आएं। अगर आप अस्पताल आने में कतराते हैं, तो हमारी टीम आपके द्वार आकर रक्त संग्रह करने को तैयार है। इस पुनीत कार्य में संकोच न करें।

-डॉ. परसाराम चौधरी, पीएमओ, वाईएन अस्पताल

हर गुजरते दिन के साथ डिलीवरी और इमरजेंसी के मरीजों के कारण संकट गहरा रहा है। सोशल मीडिया और व्यक्तिगत माध्यमों से हम लगातार गुहार लगा रहे हैं। युवाओं से अनुरोध है कि अपनी सोशल मीडिया की ताकत को इस अभियान से जोड़ें और तुरंत रक्तदान के लिए आगे आएं।

-डॉ. सोनिया, ब्लड बैंक प्रभारी, वाईएन अस्पताल

होटल अग्निकांड जैसे हादसे, जिम्मेदार कौन?

प्राची शर्मा

दिल्ली के मालवीय नगर स्थित होटल-अग्निकांड में 21 लोगों की मृत्यु और दर्जनों के घायल होने की घटना केवल एक दुर्घटना नहीं, बल्कि सुरक्षा नियमों की संभावित विफलता और प्रशासनिक लापरवाही पर गंभीर प्रश्नचिह्न है। दुर्भाग्य की बात है कि दिल्ली या अन्य महानगरों में हुई ऐसी ही घटनाओं से सिविल/पुलिस प्रशासन ने कोई सीख नहीं ली, जिससे यह हादसा भी नियति का खेल बनकर रह गया। प्रशासन को इसे गम्भीरता से लेना चाहिए और यह सुनिश्चित करना चाहिए कि भविष्य में ऐसी घटनाओं पर लगाम लगे, जिससे इतनी भारी क्षति नहीं हो पाए।

प्रारंभिक रिपोर्टों के अनुसार, भवन में केवल एक प्रवेश-निकास मार्ग था, बेसमेंट और ऊपरी मंजिलों में क्षमता से अधिक कमरे संचालित किए जा रहे थे, तथा अग्नि सुरक्षा मानकों के पालन पर भी सवाल उठ रहे हैं। लिहाजा यह प्रश्न मौजूद है कि आखिर इस लोमहर्षक और दर्दनाक घटना का जिम्मेदार कौन? यह ठीक है कि जांच पूरी होने से पहले अंतिम निष्कर्ष निकालना उचित नहीं होगा, लेकिन सामान्यतः ऐसी घटनाओं में जिम्मेदारी कई स्तरों पर तय होती है जो इस प्रकार से समझी जा सकती है:-

यदि बिना वैध अग्नि सुरक्षा अनुमति के संचालन हुआ। यदि निर्धारित क्षमता से अधिक कमरे या अवैध निर्माण किए गए। यदि आपातकालीन निकास, अलार्म और अग्निशमन उपकरण पर्याप्त नहीं थे। तो इसका सीधा तात्पर्य है कि होटल मालिक के अदूरदर्शी प्रबंधन ने लोगों को अप्रत्याशित मुसीबत की आग में झुलसने को मजबूर कर दिया और समय पर समुचित मदद उनतक नहीं पहुंच पाई। यह जांच का विषय है और शायद इसी वजह से होटल मालिक को दिल्ली पुलिस ने हिरासत में भी लिया है। यदि नियमों के उल्लंघन के बावजूद संचालन जारी रहा। यदि नियमित निरीक्षण केवल कागजों तक सीमित रहे, तो लाइसेंस जारी करने और निरीक्षण देने वाली एजेंसियों पर उँगली उठनी स्वाभाविक बात है, क्योंकि इनकी लापरवाही या मिलीभगत से न केवल जान-माल की भारी क्षति हुई, बल्कि केंद्र व राज्य सरकार के गुणवत्ता हीन विकास और कथित सुशासन के दावों की भी हवा निकल गई। चूंकि इस अग्निकांड के विदेशी नागरिक भी शिकार बताए जाते हैं, इसलिए विदेशों में भारत की बदनामी स्वाभाविक है और इससे दिल्ली समेत देश का पर्यटन कारोबार भी प्रभावित हो सकता है। अवैध निर्माण, क्षमता से अधिक उपयोग और सुरक्षा उल्लंघनों की समय रहते पहचान न कर पाना भी जांच का विषय है। चूंकि स्थानीय प्रशासन और नगर निकाय से जुड़े जिम्मेदार लोग भी यदि समय रहते ही खामियां पकड़ लिए होते और स्पष्ट कार्रवाई किये होते तो राष्ट्रीय राजधानी नई दिल्ली की इतनी बदनामी नहीं होती। बिना एनओसी वाले होटल, गेस्ट हाउस और रेस्तरां तत्काल बंद किए जाएं। सभी होटलों की अग्नि सुरक्षा स्थिति ऑनलाइन सार्वजनिक हो ताकि ग्राहक भी देख सकें कि होटल सुरक्षित है या नहीं। एक ही प्रवेश-निकास वाले भवनों को होटल या व्यावसायिक उपयोग की अनुमति न दी जाए। होटल कर्मचारियों और अतिथियों के लिए नियमित फायर ड्रिल अनिवार्य हो। केवल जुर्माना नहीं, बल्कि गंभीर लापरवाही साबित होने पर होटल मालिकों और संबंधित अधिकारियों के खिलाफ आपराधिक कार्रवाई हो। होटल में ठहरते समय लोगों को भी आपातकालीन निकास, अग्निशमन यंत्र और सुरक्षा संकेतों पर ध्यान देना चाहिए। इस घटना से हमें व्यापक सबक मिलती है, क्योंकि यह घटना हमें यह याद दिलाती है कि भारत में कई बार हादसों के बाद जांच और मुआवजे की घोषणा तो होती है, लेकिन सुरक्षा संस्कृति में अपेक्षित बदलाव नहीं आता।2019 के दिल्ली होटल अग्निकांड सहित कई बड़ी आग की घटनाओं के बाद भी वही समस्याएं—एकमात्र निकास, अवैध निर्माण, और सुरक्षा मानकों की अनदेखी—दोहराई जाती रही हैं। ऐसे में फिर यदि जांच में सुरक्षा नियमों की अनदेखी सिद्ध होती है, तो जिम्मेदारी केवल होटल मालिक तक सीमित नहीं रहनी चाहिए; उन सभी संस्थाओं और अधिकारियों की भी जवाबदेही तय होनी चाहिए जिनकी निगरानी में यह व्यवस्था चल रही थी।

दिल्ली होटल भीषण अग्निकांड लपटों की तपीश किशनगढ़ तक

मदनगंज-किशनगढ़। दिल्ली के मालवीय नगर स्थित फ्लॉरिस स्टे होटल में हुए एक भीषण अग्निकांड की लपटों की तपीश किशनगढ़ में एक परिवार को दर्द दे गई। हादसे में किशनगढ़ के एक व्यवसायी अशोक पंसारी की आग में जलने से मौत हो गई। इस दिल दहला देने वाले हादसे में किशनगढ़ के व्यवसायी सहित रिश्तेदारों में शामिल कुल आठ लोगों की असमय और दर्दनाक मौत हो गई। घटना की सूचना मिलते ही मार्बल नगरी किशनगढ़ और अजमेर में शोक की लहर दौड़ गई। परिजनों और परिचितों का रो-रोकर बुरा हाल है और पूरे क्षेत्र में सन्नाटा पसरा हुआ है। जानकारी के अनुसार, किशनगढ़ के लक्ष्मीनारायण विहार निवासी प्रसिद्ध व्यवसायी अशोक पंसारी अपने फूफाजी राधेश्याम अग्रवाल का हालचाल जानने के लिए दिल्ली गए हुए थे। राधेश्याम अग्रवाल दिल्ली के मालवीय नगर स्थित मैक्स हॉस्पिटल में भर्ती हैं। अस्पताल के नजदीक होने के कारण अशोक पंसारी और उनके रिश्तेदार पास ही के फ्लॉरिस स्टे होटल में रुके हुए थे। बताया जा रहा है कि तड़के सुबह जब सब गहरी नींद में थे, तभी होटल में अचानक भीषण आग लग गई। आग ने देखते ही देखते इतना विकराल रूप धारण कर लिया कि किसी को संभलने तक का मौका नहीं मिला। धुएं और आग की लपटों के बीच चीख-पुकार मच गई। कुछ ही मिनटों में लगी इस आग ने कई जिंदगियां लील लीं। इस दर्दनाक हादसे में किशनगढ़ के अशोक पंसारी के अलावा, उनकी छोटी बुआ गुलाब बाड़ी, अजमेर निवासी कमला देवी और उनके पति जवरी लाल की भी दम घुटने और झुलसने से मौत हो गई। वहीं, अस्पताल में भर्ती राधेश्याम अग्रवाल के परिवार पर भी दुःखों का पहाड़ टूट पड़ा है। इस अग्निकांड

में उनकी पत्नी प्रेम, पुत्र विवेक, पुत्रवधू तर्जनी, बड़ी बेटी एंजल तथा छोटी बेटी की भी जान चली गई। एक ही परिवार के इतने सदस्यों की एक साथ मौत की खबर से हर कोई स्तब्ध है। इस घटना का सबसे दर्दनाक पहलू यह है कि जिस बुजुर्ग राधेश्याम अग्रवाल को संभालने और देखने के लिए यह पूरा परिवार दिल्ली पहुंचा था, वह खुद इस समय अस्पताल में वेंटिलेटर पर जिंदगी और मौत के बीच जूझ रहे हैं। उन्हें अभी तक इस बात की भनक भी नहीं है कि उन्हें देखने आया उनका हंसता-खेलता पूरा परिवार अब इस दुनिया में नहीं रहा।

घटना की सूचना मिलते ही किशनगढ़ और अजमेर से अन्य परिजन व समाज के लोग तुरंत दिल्ली के लिए रवाना हो गए हैं। दिल्ली में मृतकों के शवों का पोस्टमार्टम और आवश्यक कानूनी प्रक्रिया पूरी की जा रही है। इस भीषण हादसे ने एक बार फिर दिल्ली जैसे महानगरों के होटलों और व्यावसायिक भवनों में अग्नि सुरक्षा के इंतजामों और सरकारी दावों की पोल खोल कर रख दी है। इस घटना ने पीछे अपनों के लिए कभी न भरने वाला दर्द छोड़ दिया है। जिसने भी इस हादसे के बारे में सुना, उसकी आंखें नम हो गईं।

DNA-293050